Herald Youngleader

Daiwik Hotels expands footprint in pilgrimage hospitality with its second spe

Date: 23/04/2015 | Edition: Ahmedabad | Page: 11 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 9 H: 13

Clip: 1 of 1

दैविक होटल्स ने अपने दूसरे विषेश होटल के साथ तीर्थयात्रा सत्कार में किया विस्तार

रामेष्वरम, तमिल नाडु में अपनी पहली संपत्ति की षुरूआत करके वषेशज्ञ तीर्थयात्रा आतिथ्य सत्कार की अनोखी अवधारणा की पेषकष करने के बाद दैविक होटल्स प्राइवेट लिमिटेड ने षिरडी में अपने दूसरे होटल की षुरूआत की है। अंतरराश्ट्रीय स्तर के होटल के बुनियादी ढांचे और सेवाओं के साथ दैविक होटल्स षिरडीका लक्ष्य ग्राहकों को एक संपूर्ण तीर्थ यात्रा का अनुभव मुहैया कराना है। दैविक होटल को तीर्थयात्रा आतिथ्य सत्कार के लिए मांग की कमी को सबसे पहले पूरा करने का फायदा मिलता है। मध्यम आय और उच्च आय वर्ग के लोगों के बीचती र्थयात्रा कोलेकर बढ़ती दिलचस्पी की वजह से गुणवत्तायुक्त होटलों की तीर्थयात्री की जरूरतों और परेषानी मुक्त तीर्थयात्रा के अनुभव की जबरदस्त मांग है जो पूरी नहीं होती और काफी हदतक यह मांग असंगठित है। हालांकि इस यात्रा का 60 फीसदी भारतमें धार्मिक यात्रा होती है। अपना दूसरा होटल खोलने के लिए षिरडी की ओर दैविक होटल का ध्यान जाने की वजह इस तीर्थस्थल की ओर बार–बार आनेवाले तीर्थयात्रियों की संख्या है। यह अनुमान है कि षिरडी में हरसाल 60–70 लाख लोग यहां आते हैं।

इस घोशणा के बारेमें श्री देवाषिश घोशाल, प्रबंध निदेषक एवं सीईओ, दैविक होटल्स प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, ''हमने तीर्थयात्रा आतिथ्य सत्कार के क्षेत्र में कदम रखने का फैसला किया क्योंकि देषमें मध्यम वर्गीय बाजार में भारी मांग और आपूर्ति की कमी है। षिरडी में अपने दूसरे होटल के साथ हमने इस कमी को पूरा करने की कोषिष की है। हमारा ध्यान इस क्षेत्र की ओर बना रहेगा और हम पूरे देषमें ऐसे अवसर तलाषेंगे।''